नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-promgahv@gmail.com

हिंदी विश्वविद्यालय में राहुल सांकृत्यायन की स्मृति में व्याख्यान

समतावादी, मानवधर्म के प्रति समर्पित थे सांकृत्यायन -डॉ. अरूणेश नीरन

वर्धा दि. 28 अप्रैल 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में सांकृत्यायन की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक डॉ. अरूणेश नीरन ने 'राहुल की दृष्टि' विषय पर व्याख्यान में कहा कि राहुल सांकृत्यायन समतावादी और मानव धर्म के प्रति समर्पित थे। उन्होंने सांकृत्यायन के जीवन के गंभीर और विचारोत्तेजक बातों से उनके जीवन के अनेक पहलुओं पर प्रकाश ड़ाला। उन्होंने माना कि राहुल सांकृत्यायन किसी विचारधारा और बंधन में बंधकर नहीं रहे। चंदाबाबा से बौद्ध धर्म की दीक्षा लेने वाले सांकृत्यायन ने समाज को गले-सड़े संस्कारों से बाहर आकर नवीन करने की ऊर्जा दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन ने बौद्ध धर्म का गहराई से अध्ययन करने के लिए अनेक देशों का भ्रमण किया। सामाजिक जीवन कैसे जिया जाए इसका मंत्र उन्हें बुद्ध के विचारों से प्राप्त हुआ और वे बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए उन्होंने माना कि आज भी अनेक देशों में बुद्ध के विचारों का आकर्षण बना हुआ है और खुले मन से ज्ञान को पाने के लिए अनेक लोग उनके विचारों पर समाज में सिद्धांत का नया रास्ता खोजने में लगे हुए हैं।

प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने राहुल सांकृत्यायन को बेजोड़ घुमक्कड़ की संज्ञा देते हुए उनके पालि साहित्य पर किए गए कार्य की भरपूर प्रशंसा की। उन्होंने माना कि बहुविध क्षेत्रों में सृजनरत रहते हुए भी उनका पालि साहित्य पर किया गया कार्य उन्हें अमरत्व प्रदान करने के लिए काफी है। प्रारंभ अतिथियों द्वारा राहुल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत आनंद मंडित मलयज, नटराज वर्मा एवं शील भगत ने किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मैत्रेयी घोष ने किया। कार्यक्रम में प्रो. एल. कारूण्यकरा, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. अरबिंद झा, प्रो. विजय कौल, सहित विभिन्न विभागों के अध्यापक, कर्मी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात राहुल सांकृत्यायन स्मृतिनिमित्त व्याख्यान

समतावादी, मानवधर्माप्रति समर्पित होते सांकृत्यायन -डॉ. अरूणेश नीरन

वर्धा दि. 28 एप्रिल 2015: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालयात सांकृत्यायन यांच्या स्मृतिनिमित्त आयोजित कार्यक्रमात आवासीय लेखक डॉ. अरूणेश नीरन म्हणाले की राहुल सांकृत्यायन समतावादी आणि मानव धर्माप्रति समर्पित होते.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की राहुल सांकृत्यायन यांनी बुद्ध धर्माचा अभ्यास करण्यासाठी अनेक देशांचे भ्रमण केले. सामाजिक जीवन कसे जगावे याचा मूलमंत्र त्यांना बौद्ध तत्वज्ञानातून मिळाला आणि त्यांनी बौद्ध विचारांचा प्रचार-प्रसार करण्यात आपले जीवन खर्ची घातले. प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी राहुल सांकृत्यायन यांना धडाडीचा प्रवासी ही संज्ञा दिली. प्रारंभी राहुल सांकृत्यायन यांच्या प्रतिमेला माल्यार्पण करून अभिवादन करण्यात आले. पाहुण्यांचे स्वागत आनंद मंडित मलयज, नटराज

वर्मा, शील भगत यांनी केले.

कार्यक्रमाचे संचालन आणि आभार पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मैत्रेयी घोष यांनी केले. यावेळी प्रो. एल. कारूण्यकरा, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. अरबिंद झा, प्रो. विजय कौल यांच्यासह अध्यापक, विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.